अशोक सिंहल फाउण्डेशन

"ॐ"

"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र" ट्रस्ट श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या के लिए संघर्ष करने वाले सभी विभूतियों को श्रद्धांजलि करता है।(1528 से अबतक)

प्रस्ताव (1)

"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"ट्रस्ट 19 फरवरी, 2020 को आर-20, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048 में हुई अपनी पहली बैठक में माँ भारती के उन महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि के लिए 1528 से लेकर आज तक संघर्ष किये और शहीद हुए। ट्रस्ट उन विभूतियों को भी नमन करता है, जो आज हमारे बीच नहीं हैं किन्तु श्रीराम जन्मभूमि के लिए उनका संघर्ष अविस्मरणीय है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (ट्रस्ट) व जीवन मूल्यों के साथ अपनी परम्परा व संस्कृति में आस्था रखने वाले समस्त हिन्दू समाज की ओर से हम संस्थापक ट्रस्टी, इस ट्रस्ट की पहली ऐतिहासिक बैठक में, 1528 से 1984 के दौरान श्रीराम जन्मभूमि के संघर्ष में अपना जीवन समर्पित करने तथा बलिदान देने वाले सन्तों व समाज के सभी महापुरुषों और उनके अनुयायियों, समाज के सभी वर्गों व क्षेत्रों से आकर आजीवन इस महान संघर्ष यात्रा में सतत प्रयत्नशील रहने वाले अग्रणी और साहसी हिन्दू भाइयों-बहनों और सामाजिक कार्यों से जुड़ी महिलाओं सहित इस ध्येय के हेतु अपना जीवन अर्पित कर देने वाले वीर शासकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

1947 के बाद के भारत के इतिहास में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन 1974-75 के जे.पी. आंदोलन के बाद दूसरा सबसे बड़ा अखिल भारतीय आंदोलन रहा है। हम उन सभी को अपनी श्रद्धांजलि देते हैं, उन्होंने अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संघर्ष किया। उनके बलिदानों व संघर्षों का ही प्रतिफल है कि आज हमारी श्रीराम जन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का रास्ता प्रशस्त हुआ है।

ऐसी महान विभूतियों, जिनकी लड़ाई विदेशी आक्रान्ताओं तथा उनके अपराधों में साझेदार बने उनके सहयोगियों के खिलाफ थी, ने भारतीय जनमानस में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुनर्जागरण, बंधुत्व, गरिमा तथा अपनी समृद्ध चेतना को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया। श्रीराम जन्मभूमि उनके द्वारा किये महान कार्यों का अधिष्ठान चिन्ह है। उन्हें हमेशा महान देशभक्त, राष्ट्रवादी और रामभक्त के रूप में याद किया जाएगा। उनका विराट व्यक्तित्व राष्ट्रीय मानस को अनंत काल तक प्रेरित करता रहेगा, ताकि भविष्य में कभी भी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, संप्रभुता, लोकतंत्र, न्याय स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना पर कोई खतरा न उत्पन्न हो।

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

वे हमेशा हिन्दू जीवन और भारतीय राष्ट्र के दिलों में रहेंगे, क्योंकि उन्होंने अपना खून और पसीना बहाया ताकि हम अपना सिर ऊँचा करके जी सके और माँ भारती को गौरव के शिखर पर ले जा सकें।

1528 से लेकर अब तक श्रीराम जन्मभूमि की मुक्ति के लिए 77 लड़ाईयाँ हुई हैं और माँ भारती के लाखों वीरों ने इसके लिए अपनी जान गंवाई है, लाखों वीर योद्धा इसके लिए लड़े हैं। ऐसे सभी महापुरुषों और बलिदानियों को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये नमन करता है।

श्रीराम जन्मभूमि के लिए लम्बे संघर्षों में सन्त समाज और मठों का योगदान अहम रहा है। ऐसे अनेक मठों के महंत और साधु-सन्त हुए, जिन्होंने इस महान कार्य के लिए जनजागरण से लेकर अनेक स्तरं पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे नामों की एक लम्बी शृंखला है। जिसे लिखना अत्यन्त कठिन है तथापि निर्वाणी अखाड़ा के महंत अभिराम दास जी महाराज, दिगम्बर अखाड़ा के महंत परमहंस रामचंद्र दास जी महाराज, गोरक्षापीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी महाराज, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज, अयोध्या, जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी शान्तानन्द जी महाराज, प्रयागराज, जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी शिवरामाचार्य जी महाराज, जगद्गुरु शंकराचार्य कांची कामकोटि पीठ स्वामी जयेन्द्र सरस्वती जी महाराज, पूज्य देवराहा बाबा, निर्मोही अखाड़ा महंत रामकेवल दास जी महाराज, अयोध्या, स्वामी विश्वेशतीर्थ जी महाराज, पेजावर मठ उडुप्पी, स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती जी, मुम्बई, स्वामी वामदेव जी महाराज, वृन्दावन, स्वामी सत्यमित्रानन्द जी महाराज, हरिद्वार, सहित ऐसे असंख्य सन्तों का योगदान अविस्मरणीय है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इन सभी महान सन्तों एवं अध्यात्मिक चिंतन से जनजागृति करने वाले महात्माओं को नमन करते हुए श्रीराम से प्रार्थना करता है कि ऐसे समस्त महान आत्माओं को साकेत धाम में स्थान दें तथा शांति प्रदान करें।

श्रीराम जन्मभूमि के लिए संघर्ष और आंदोलन की आहुति में अपना सर्वस्व समर्पित कर देने वाले श्री अशोक सिंहल जी तथा आचार्य गिरिराज किशोर जी सहित उन अनेक महापुरुषों के प्रति ट्रस्ट श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने समाज जीवन में रहते हुए इस संघर्ष यात्रा का अलख जगाए रखा। ट्रस्ट उन सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी नमन करता है, जिनकी इस संघर्ष यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हम (संस्थापक ट्रस्टी) उन सभी समभक्तों के प्रति आभार भी व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस महान आन्दोलन में स्वयं के जीवन को समर्पित किया है। 1984 से अब तक इस महान कार्य हेतु स्वयं को समर्पित कर देने वालों की कड़ी में भी अनेक नाम अंकित हैं। इस आंदोलन की यात्रा को उत्कर्ष के इस पड़ाव तक पहुंचाने में हमारे बीच के अनगिनत समभक्तों तथा समय-समय पर हुए आंदोलनों के नेतृत्वकर्ताओं का योगदान अभिनंदनीय है, ट्रस्ट उन सभी के प्रति आभारत व्यक्त करता है।

प्रस्ताव (2)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार की सजग भूमिका के लिए धन्यवाद

"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"ट्रस्ट 19 फरवरी, 2020 को आर-20, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली -110048 में हुई अपनी पहली बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के प्रति ट्रस्ट के गठन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार श्रीराम जन्मभूमि पर मन्दिर निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने तय समय में ट्रस्ट का गठन किया है। सामाजिक सौहार्द व भाईचारे के साथ इस मामले के न्यायसंगत समाधान के लिए श्री सरकार की भूमिका, उनके प्रयास एवं उनकी प्रतिबद्धता बधाई के योग्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार द्वारा गत वर्षों में हुए ऐसे सकारात्मक प्रयासों तथा सजगता की वजह से आज देश के आम जनमानस की आस्था से जुड़ा भव्य श्रीराम मन्दिर के निर्माण का सपना साकार होने जा रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के नेतृत्व वाली सरकार का हम सभी संस्थापक ट्रस्टी हृदय से अभिनन्दन करते हैं। इस निर्णय तथा इसकी सुनवाई प्रक्रिया के दौरान देश में सामाजिक सौहार्द का वातावरण बनाने में सरकार ने सजगता का परिचय दिया तथा सभी का भरोसा हासिल करने में भी सफल रही। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, केन्द्र व उत्तर प्रदेश दोनों ही सरकारों के प्रयासों का अभिनन्दन करता है।

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

प्रस्ताव (3)

देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आभार

"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"ट्रस्ट 19 फरवरी, 2020 को आर-20, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली -110048 में हुई अपनी प्रथम बैठक में संविधान द्वारा प्रदत्त देश की सभी संस्थाओं के प्रति आदर व्यक्त करता है, जिन्होंने पांच शताब्दियों पुराने एक सामाजिक वाद का समाधान अत्यन्त धैर्यपूर्वक, सभी का विचार जानने के पश्चात् इस ढंग से कर दिया कि देश में शान्ति व्यवस्था बनी रही, समाज के सब वर्गों ने उसे स्वीकार किया इसके कारण समाज का विश्वास इन व्यवस्थाओं के प्रति बढ़ा। हम सभी के प्रति आभार व्यक्त करते है।

प्रस्ताव (4)

ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टियों की पहली बैठक"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र," आज (बुधवार, 19 फरवरी, 2020) आयोजित की गई, निम्नलिखित प्रस्ताव पारित हुआ।

1- यह सर्वसम्मति से ट्रस्टडीड के आइटम नम्बर डी (9) के अनुसार, अयोध्या के मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास जी को ट्रस्ट"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"के ट्रस्टी के रुप में नामित करने का निर्णय लिया गया है।

2- यह ट्रस्टडीड के आइटम नम्बर डी (10) के अनुसार"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"ट्रस्ट के ट्रस्टी के रुप में दिल्ली के एक सामाजिक कार्यकर्ता श्री चम्पत राय को नामित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया

प्रस्ताव (5)

ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टियों की पहली बैठक"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र," आज (बुधवार, 19 फरवरी, 2020) आयोजित हुई। स्थान- आर-20, ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली-110048 निम्न-लिखित प्रस्ताव पारित हुए।

1- न्यासी मण्डल सर्वसम्मति से नृत्यगोपाल दास जी महाराज, अयोध्या को ट्रस्टडीड के Clause G (A) के अनुसार ट्रस्ट के अध्यक्ष-प्रबन्ध ट्रस्टी के रुप में नियुक्त करती है।

2- न्यासी मण्डल सर्वसम्मति से चम्पतराय, दिल्ली को ट्रस्टडीड के Clause G (B) के अनुसार ट्रस्ट के महासचिव के रुप में नियुक्त करती है।

3- न्यासी मण्डल सर्वसम्मति से गोविन्ददेव गिरि जी, पूने को ट्रस्टडीड के Clause G (C) के अनुसार ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष के रुप में नियुक्त करती है।

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

प्रस्ताव (6)

अनुरोध किया जाता है कि दिल्ली की फर्म वी. शंकर अय्यर एण्ड कम्पन्नी को"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"के चार्टेड एकाउन्टेंट के रुप में स्वीकार किया जाए।

चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स की उक्त फर्म से आयकर विभाग के

1- पैन कार्ड
2- जीएसटी नम्बर, और
3- 12ए और
4- 80जी प्रमाणपत्रों के संदर्भ में ट्रस्ट के सभी औपचारिकताओं को कानून के तहत पूर्ण करने का अनुरोध करता है और
5- ट्रस्ट को एफ.सी.आर.ए. के तहत पंजीकृत करें।

ट्रस्टीज श्री चम्पतराय (महासचिव) से अनुरोध करते हैं कि वे उक्त कार्यवाही की देखरेख करे और सुनिश्चित करें कि यह प्रक्रियाएं जितनी जल्दी हो सके, उक्त आवश्यकताओं के साथ पूरी की जाए।

प्रस्ताव (7)

ट्रस्ट के ट्रस्टी सर्वसम्मति से निर्णय लेते हैं कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में (१) भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा में बचत बैंक खाता खोला जाए और (2) ट्रस्ट के लिए बैंक लॉकर को भी उसी बैंक में सुनिश्चित किया जाए।

उक्त बचत बैंक खाता निम्नलिखित कुल तीन अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं में से किसी दो के संयुक्त हस्ताक्षरों द्वारा संचालित किया जाएगा:

1- चम्पतराय, दिल्ली
2- गोविन्ददेव गिरि, पूना
3- डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, अयोध्या

धन निकालते समय"श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र"के महासचिव चम्पतराय के हस्ताक्षर चेक बुक पर होना अनिवार्य होगा।

अशोक सिंहल फाउण्डेशन

प्रस्ताव (8)

1- अयोध्या में एक उचित और सुरक्षित स्थान खोजा जाये जहां पर ट्रस्ट अपना स्थायी कार्यालय रख सकें।

2- इस कार्यालय के लिए लैंडलाइन टेलीफोन, बिजली, पानी की आपूर्ति और अन्य आवश्यकताओं के समुचित संबंध को भी सु. निश्चित किया जाना चाहिए।

(1) श्री विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र, और (2) डॉ. अनिल मिश्रा दृ दोनों अयोध्या के निवासी हैं, को उपरोक्त महत्वपूर्ण कार्यों को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है।

प्रस्ताव (9)

श्री नृपेंद्र मिश्रा, जो कि प्रशासनिक सेवा का दीर्घकालीन अनुभव रखने वाले सेवानिवृत आइ-एएस हैं, को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, इसके **'भवन निर्माण समिति'** का चेयरमैन नियुक्त करता है। भवन निर्माण समिति मुख्य रूप से रामजन्मभूमि के लिए बनने वाले मंदिर से संबंधित प्रशासनिक विषयों के समाधान और कार्रवाई के समुचित निष्पादन के लिए कार्य करेगी।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र भवन निर्माण समिति का गठन करेंगे, तदोपरान्त श्री नृपेन्द्र मिश्रा भवन निर्माण समिति की बैठक करके निर्माण कार्य सम्बन्धी कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे।